भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1438

19 दिसंबर, 2022 को उत्तर के लिए

सेल की चालू परियोजनाओं में देरी

1438. श्री संजय राउत:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की चालू परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि इनमें से कुछ परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकीं हैं;

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण है; और

(घ) सरकार द्वारा इस्पात परियोजनाओं के आधुनिकीकरण और विस्तार को शीघ्र पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए जायेंगे?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) से (घ): सेल संयंत्रों में निम्नलिखित प्रमुख परिवर्धन, आशोधन, प्रतिस्थापन योजनाएं (एएमआर) (जिनकी लागत 150 करोड़ रुपये व अधिक है) कार्यान्वयनाधीन हैं:-

i. बोकारो इस्पात संयंत्र में 1111 करोड़ रुपए के निवेश के साथ नए सिंटर संयंत्र की स्थापना
ii. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 1105 करोड़ रुपए के निवेश के साथ एसएमएस-II में लैडल फर्नेस के साथ चौथे कास्टर की स्थापना
iii. भिलाई इस्पात संयंत्र में 625 करोड़ रुपए में सीओबी 7 और 8 का पुनर्निर्माण
iv. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 434 करोड़ रुपए के निवेश के साथ सीओबी-2 का पुनर्निर्माण व कोक हैंडलिंग और गैस हैंडलिंग सुविधा का संवर्धन
v. 285 करोड़ रुपए के निवेश के साथ बोकारो इस्पात संयंत्र में कोक ओवन बैटरी-8 का पुनर्निर्माण
vi. बोकारो इस्पात संयंत्र में 240 करोड़ रुपए के निवेश के साथ हॉट स्ट्रिप मिल की स्वचालन प्रणाली का उन्नयन
vii. 168 करोड़ रुपए में भिलाई इस्पात संयंत्र स्थित दल्ली खदानों के सीएसडब्ल्यू संयंत्र के वाशिंग सर्किट में आशोधन
viii. राउरकेला इस्पात संयंत्र में लगभग 158 करोड़ रुपए के निवेश के साथ जेएलडी को चालू करने के लिए प्रशोधन प्रणाली-1 की स्थापना

तीन परियोजनाओं यानि बोकारो में नए सिंटर संयंत्र की स्थापना, बोकारो इस्पात संयंत्र में सीओबी# 8 का पुनर्निर्माण और दल्ली खदानों में सीएसडब्ल्यू संयंत्र के वाशिंग सर्किट में आशोधन में देरी मुख्यत: ठेकेदार द्वारा कार्य में धीमी प्रगति, कोविड के प्रभाव, आवश्यक मंजूरी पाने में देरी आदि के कारण हुई है।

पूर्व में सेल द्वारा शुरू किए गए आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। वर्तमान में, सेल संयंत्रों की परिवर्धन, आशोधन, प्रतिस्थापन योजनाओं के तहत परियोजनाओं के त्वरित निष्पादन हेतु इस्पात मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से समीक्षा की जाती है।

****